The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

रांची
05/11/2019

इकफ़ाई विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आज आयोजित

आज, इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड का दीक्षांत समारोह आर्य भट्टा सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें कई प्रतिष्ठित शिक्षाविद, उद्योग प्रबंधक और सरकार के अधिकारी, विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों, छात्रों के माता-पिता, संकाय सदस्य और कर्मचारी, पूर्व छात्र और वर्तमान छात्रों ने इस समारोह में भाग लिया। दीक्षांत समारोह मे कुल 2019 के स्नातक 143 छात्रों को सम्मानित किया गया जिसमें 5 पीएचडी, 38 पोस्ट-ग्रेजुएट और 100 स्नातक और डिप्लोमा धारक छात्र शामिल थे। 16 छात्रों को उनके उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण और रजत पदक से सम्मानित किया गया। लगभग 50% पदक विजेता महिलाएं थीं।

माननीय न्यायमूर्ति श्री डी। एन। उपाध्याय, झारखंड के लोकायुक्त और रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और डॉ। के के नाग, विश्वविद्यालय के पूर्व सदस्य, बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स, सम्मान के अतिथि थे। माननीय राज्यपाल, श्रीमती द्रोपदी मुर्मू समारोह में नहीं जा सकीं और इसलिए छात्रों को उनका संदेश रजिस्ट्रार द्वारा पढ़ा गया।

स्वागत भाषण के दौरान, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। ओ। आर। एस। राव ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को मूल्यों और नैतिकता के साथ छात्रों को न केवल रोजगारपरक और अच्छे नागरिक बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विश्वविद्यालय ने कैरियर विकास पर सभी कार्यक्रमों के लिए एक पाठ्यक्रम शुरू किया जिसमें छात्रों को तेजी से बदलते कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूक किया जाता है ताकि वे उचित करियर चुन सकें और उसी की तैयारी कर सकें। प्रो राव ने उदाहरणों के साथ इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे विश्वविद्यालय झारखंड राज्य के लिए प्रासंगिक मुद्दों पर शोध कर रहा है। प्रो राव ने विश्वविद्यालय द्वारा सोशल आउटरीच सर्विसेज के कारण पड़ोसी सिमलिया गाँव में लाभ प्राप्त लोगों का भी उल्लेख किया।

स्नातक करने वाले छात्रों की तारीफ करते हुए, न्यायमूर्ति उपाध्याय ने कहा कि "आपका स्नातक आज आपके समर्पित प्रयासों का नतीजा है, अब आपको पेशे के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन के बारे में भी उचित निर्णय लेना होगा।

छात्रों को संबोधित करते हुए, डॉ। केके नाग ने कहा, "शैक्षिक योग्यता, स्वयं जीवन में सफलता का आश्वासन नहीं देती है। पीएचडी (PHD) (जुनून, ईमानदारी और समर्पण) सफलता की कुंजी है। इसके अलावा, समय के मूल्य को पहचानना भी महत्वपूर्ण है।

======